★ INDEX ★

No.	Date	Subject	Marks	Sign
1		पत्थरचूर		
2				
3		सतावर		
4				
5		तुलसी		
6				
7		कालमेघ		
8				
9		नीम		
10				
11		आँवला		
12				
13		अनार		
14				
15		मुनगा		
16				
17		हरा		
18				
19		बेहड़ा		
20				
21		गिलोय		
22				
23		अमरूद		
24				
25		आम		
26				
27				
28				
29				
30				
31				
32				
33				
34				
35				
36				
37				
38				
39				
40				

NAME - KU. KHILESHWARI JOSHI

CLASS - B.Sc.-II year.

Sub. - HERBARIUM COPY.

Govt. M. V. college Bhanupratappur.

PLANT :- COLEUS-FORSKOHLII

Plant No. - 01

Local name :- पत्थर चूर

Botanical Name :- coleus - forskohlii.

उपयोगी भाग :- जड़, पत्तियां ।

उपयोग :- * सिरदर्द में पत्थरचूर के पत्तों को पीसकर लगाने से लाभ होता है. माथे पर।

* दमा या पुरानी खांसी में पत्थरचूर का दो चम्मच रस + शक्कर मिलाकर दिन मे दो बार 15 दिन तक लेने से लाभ होता है।

* पेट मरोड़ में इसके पत्ते रोज सुबह शाम चबाने से फायदा करता है।

PLANT :- ASPARAGUS RACEMOSUS

Plant No. 02

Local name :- सतावर

Botanical Name :- Asparagus racemosus.

उपयोगी भाग :- कंद

उपयोग :- * सतावर के कंद का चूर्ण का सेवन दूध के साथ करने से स्त्रियों में दूध की मात्रा बढ़ती है।

* सतावर के जड़ का दो चम्मच चूर्ण दूध के साथ लेने से पीलिया मे फायदा करता है।

* दाह और पित्त जन्य रोग में सतावर के पौधे का रस शहद और दूध मिलाकर पीने से लाभ होता है।

PLANT :- OCIMUM SANCTUM.

Plant No. 03

Local name :- तुलसी

Botanical name :- Ocimum sanctum.

उपयोगी भाग :- पत्तियाँ ।

उपयोग :- ★ तुलसी के (15) पन्द्रह पत्ते + 4 काली मिर्च मिलाकर सेवन करने से बुखार व जुकाम से राहत मिलती है।

★ तुलसी के पत्तों को पीसकर माथे पर लेप करने से सिरदर्द में लाभ होता है।

★ एंटी ऑक्सीडेंट होने के कारण चुस्ती, फूर्ति बनाये रखता है।

PLANT :- ANDROGRAPHIS PANICULATA.

Plant No. - 04

Local name :- कालमेरव . कालमेघ ।

Botanical name :- Andrographis Paniculata.

उपयोगी भाग :- सम्पूर्ण पौधा ।

उपयोग :-

* सभी प्रकार के बुखार एवं मुख्य रूप से मलेरिया में सम्पूर्ण पौधा का काढ़ा बनाकर उपयोग किया जाता है।

* कालमेरव की जड़ों का काढ़ा शक्कर या शहद के साथ लेने से पेट के कीड़े मर जाते है।

* स्वास्थ्यवर्द्धक टॉनिक के रूप में कालमेघ सेवन करने से ताकत बढ़ती है।

PLANT :- AZADIRACTA INDICA.

Plant No. - 05

Local name :- नीम

Botanical name :- Azadirachta indica.

उपयोगी भाग :- पत्तियाँ

उपयोग :-

* रक्तार्बुद में नीम की लकड़ी को पानी में घिसकर एक इंच मोटा लेप करने से लाभ होता है रक्तार्बुद में।
* नीम की भींगी का चूर्ण नित्य 1 या 2 बार सलाई नेत्रों में लगाने से मोतियाबिंद में लाभ होता है।
* दमा में नीम के बीजों का शुद्ध तेल 3-6 बूंद तक पान में रखकर खाने से श्वास रोग में लाभ होता है।

PLANT :- EMBLICA OFFICNALIS.

Plant No. - 06

Local name :- आंवला

Botanical name :- Emblica officinalis.

उपयोगी भाग :- फल

उपयोगी :- * 3 ग्राम आंवला चूर्ण दिन में 3 बार दिए जाने पर पेट में जलन गैस के कारण होने वाली अन्य तकलीफों को जल्द दूर कर देती है।

* आंवला का मुरब्बा अम्लपित तथा चक्कर में लाभकारी होता है।

* विटामिन सी सर्वाधिक मात्रा में पाये जाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है।

PLANT :- PUNICA GRANATUM.

Plant No. - 07

Local name :- अनार

Botanical name :- Punica granatum.

उपयोगी भाग :- पत्ती, फल, फूल ।

उपयोग :- * फूल की कलियों का उपयोग दस्त रोग में किया जाता है।

* फल के छिलके का पेस्ट अम्लपित्त; दस्त तथा आँख की समस्या में उपयोग किया जाता है।

PLANT :- MORINGA OLEIFERAT.

Plant No. - 08

Local name :- सहजन, मुनगा ।

Botanical name :- Moringa-oleifenat.

उपयोगी भाग :- पत्तियाँ, गोंद ।

उपयोग :- * पत्तियों का रस पेटदर्द व कृमि रोग में उपयोग किया जाता है ।

* फफूंदों संक्रमण में होने वाले रोगों में इसके गोंद का लेप किया जाता है ।

* सहजन की पत्तियों, फलियों में लोह तत्व की प्रचुरता है । इसलिए खुन में हिमोग्लोबिन स्तर बढ़ाने में बहुत उपयोगी है ।

PLANT :- TURMINELIYA CHEBULA

Plant No. - 09

Local name :- हर्रा ।

Botanical name :- Turmineliya bellirica.

उपयोगी भाग :- फल ।

उपयोग :- ✱ फल से बना मंजन दाँतो को चमकदार व मसूड़ों को (क) मजबूत बनाता है ।

✱ फल रक्तचाप नियंत्रण हृदय बीमारी के उपचार, त्रिफला का आवश्यक घटक कब्जियत दूर करता है ।

✱ महिलाओं में रक्त स्राव (मासिक) की गड़बड़ी को ठीक करता है ।

✱ छाल पीसकर लगाने से एक्जिमा में फायदा होता है ।

PLANT :- TERMINALIA BELLIRICA.

Plant No. - 10.

Local name :- बहेड़ा ।

Botanical name :- Terminalia bellirica.

उपयोगी भाग :- फल ।

उपयोग :- ★ बहेड़ा के छिलके का चूर्ण उसे 6 ग्राम की मात्रा मे लेने से भूख बढ़ता है ।

★ बहेड़ा चूर्ण के नियमित सेवन से कफ दूर होता है ।

★ बहेड़ा चूर्ण खून की खराबी पेट के कीड़ो को (मारती) नष्ट करता है ।

PLANT :- TINOSPORA CORDIFC IA .

Plant NO. - 11

Local name :- Giloy

Botanical name :- Tinospora cordifolia.

उपयोगी भाग :- पत्तियाँ, तने ।

उपयोग :- ★ गिलोय एक रसायन के रूप में काम करती है। यह शरीर में जाकर खून को साफ करती है।

★ गिलोय के नित्य प्रयोग से चेहरे पर तेज आता है। और असमय झुर्रियाँ नही पड़ती है।

★ गिलोय का चुर्ण गुड़ के साथ सेवन करने से कब्ज दूर हो जाता है।

★ पीलिया रोग में तने का रस शहद के साथ लेने से रोग ठिक हो जाता है।

PLANT :- PSIDIUM GUAJAVA

Plant No. - 12

Local name :- Amrood.

Scientific name :- Psidium guavava.

उपयोगी भाग :- (फल) Fruit.

उपयोग :- ★ नमक के साथ पके अमरूद खाने से पेट दर्द में आराम मिलता है।

★ सुबह खाली पेट 200, 800 ग्राम अमरूद नियमित रूप से सेवन करने से बवासीर में लाभ मिलता है।

★ गर्म रेत में अमरूद को भूनकर खाने से सूखी कफयुक्त और काली खांसी में आराम मिलता है।

(यह प्रयोग दिन दिन मे तीन बार करें)

PLANT :- MANGIFERA.

Plant No. - 13

Local name :- Mango

Scientific name :- Mangifera.

उपयोगी भाग :- पत्ती, फल, छाल।

उपयोग :- * डायबिटीज-प्रमेह सूजाक :- आम के पत्तों को छाया में सुखाकर छः ग्राम की मात्रा लेकर एक गिलास पानी में उबालें पानी एक कप रहे तब छान कर पीये।

* अतिसार :- आम की गुठली की मज्जा + बेल गिरी + मिश्री को समान भाग में मिला ले। इसे 3 से 6 ग्राम की मात्रा मे दिन मे दो बार लें।

* खूनी पेचिस :- आम की पत्ती का रस 25 ml + शहद + दूध मिलाकर पीये।

15/01/18